भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 5662

27 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पारंपरिक चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति

5662. श्री आदित्य यादव:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत अर्हताप्राप्त आयुष चिकित्सकों की उपलब्धता सहित पारंपरिक चिकित्सा सुविधाओं की वर्तमान स्थिति से अवगत है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(ख) क्या उक्त जिले में बुनियादी जड़ी-बूटी चिकित्सा उपकरणों और इसके अवसंरचनात्मक सहयोग सहित आयुष औषधालयों में सुधार करने की आवश्यकता है;

(ग) क्या सरकार का जिले में योग और आयुर्वेद को बढ़ावा देने, स्थानीय जड़ी-बूटी संसाधनों के बेहतर उपयोग और समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोणों सहयोग प्रदान करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में आयुष के एकीकरण के लिए अतिरिक्त योजनाओं को लागू करने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो भर्ती, वित्तपोषण और एकीकरण योजनाओं के ब्यौरे सहित उक्त जिले में आयुष अवसंरचना को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के साथ तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ) : सार्वजनिक स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, बुनियादी जड़ी-बूटी आधारित औषधि, उपकरण और इसके अवसंरचनात्मक सहयोग सहित आयुष औषधालयों में सुधार, योग और आयुर्वेद का संवर्धन, स्थानीय हर्बल संसाधनों के बेहतर उपयोग, समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में आयुष के एकीकरण और उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में भर्ती की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार के कार्यक्षेत्र में आती है। हालांकि, आयुष मंत्रालय आयुष पद्धतियों के समग्र विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को कार्यान्वित कर रहा है। मंत्रालय, एनएएम के तहत, राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों द्वारा प्रस्तुत राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के सापेक्ष एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार, विभिन्न गतिविधियों के लिए उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों का समर्थन करता है। मिशन अन्य बातों के अलावा निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रावधान करता है: -

(i) मौजूदा आयुष औषधालयों और उप स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत करके आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का संचालन, जिन्हें अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के रूप में पुनः नामित किया गया है।
(ii) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं की सह-संस्थापना।
(iii) मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन।
(iv) मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय के लिए भवन (किराए पर/जर्जर आवास) का निर्माण/उन क्षेत्रों में नए आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण, जहां कोई आयुष सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।
(v) 10/30/50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों (आईएएच) की स्थापना।
(vi) सरकारी आयुष अस्पतालों, सरकारी औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को आवश्यक दवाओं की आपूर्ति।
(vii) आयुष सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम।
(viii) उन राज्यों में नए आयुष महाविद्यालयों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शैक्षणिक संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है।
(ix) आयुष स्नातक-पूर्व संस्थानों और आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास/पीजी/फार्मेसी/पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों को शामिल करना।

राज्य सरकार, एनएएम दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती है।

उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, बदायूं जिले में 26 आयुर्वेद, 12 होम्योपैथी, 06 यूनानी औषधालय स्थापित किए गए हैं और 21 आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, 08 होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी और 07 यूनानी चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

एनएएम के तहत, समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल का समर्थन करने के लिए एसएएपी के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार बदायूं जिले में आयुष औषधालयों को उन्नत करके 21 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) [एएएम(आयुष)] को अनुमोदित किया गया है और राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार सभी कार्यशील हैं। इन एएएम (आयुष) में अंशकालिक योग प्रशिक्षकों की भर्ती की जाती है, जिसके माध्यम से योग सत्र आयोजित किए जाते हैं। एएएम (आयुष) में हर्बल पादपों के औषधीय महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए हर्बल उद्यान भी स्थापित किए गए हैं। बदायूं जिले में 03 योग कल्याण केंद्र भी संचालित हैं। इन योग कल्याण केंद्रों में पूर्णकालिक योग प्रशिक्षकों की भर्ती की जाती है, जिनके माध्यम से योग सत्र आयोजित किए जाते हैं।

बदायूं जिले में मुख्यमंत्री आरोग्य मेला, वामा सारथी शिविर (यूपी पुलिस कल्याण संघ), आयुष आपके द्वार कार्यक्रम संचालित हैं, जिनके माध्यम से आयुष चिकित्सकों और चिकित्सा सहायक कर्मियों ने योग और आयुष को बढ़ावा देने के लिए आस-पास के गांवों में आयुष शिविरों का आयोजन किया। बदायूं के जिला जेल में आउटरीच गतिविधियां और योग शिविर आयोजित किए जाते हैं। एएएम (आयुष) और योग कल्याण केंद्रों में कर्मचारियों की भर्ती का ब्यौरा निम्नलिखित है:

(i) एएएम (आयुष) - 41 अंशकालिक योग प्रशिक्षक (20 पुरुष और 21 महिला)।
(ii) योग कल्याण केंद्र - 03 पूर्णकालिक योग प्रशिक्षक और 03 योग सहायक।

*****